

Please check whether you have got the right question paper.

N.B: १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए। 20
- (क) "प्रीति करि दीन्ही गरे छुरी।
जैसे बधिक चुगाय कपटकन पीछे करत बुरी।।
मुरली मधुर चेंप कर काँपो मोरचंद ठटबारी।"
- (ख) "वेद हू पुरान कही, लोक हू बिलोकियत,
रामनाम ही सों रीझे सकल भलाई है।
कासी हू मरत उपदेसत महेस सोई,
साधना अनेक चितई न चिंत लाई है।"
- (ग) "ए रे वीर पौन, तेरो सबे ओर गौन, बोरी,
तो सो और कौन मनै ढरकौहीं बानि दै।
जगत के प्रान ओछे बड़े सों समान घन-
आनंद-निधान सुखदान दुखियानि दै।"
2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए। 30
- (च) गोपियों की प्रेमभावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
(छ) कवितावली के आधार पर तुलसीदास का युगबोध स्पष्ट कीजिए।
(ज) घनानंद द्वारा वर्णित विरहभावना की समीक्षा कीजिए।
3. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। 05
1. 'जोग' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?
 2. 'फाटक' और 'हाटक' का अभिप्रेत क्या है?
 3. 'आगम बेद पुरान बखानत' में आगम का क्या अर्थ है?
 4. 'सुधा ते स्वत विष' का भावार्थ क्या है?
 5. घनानंद ने 'बिसास' किस अर्थ में प्रयुक्त किया है ?
3. (ब) उचित विकल्प चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। 05
1. 'झूखी' का अर्थ क्या है?
(क) संतप्त (ख) सूखना (ग) झूलना (घ) झूठ
 2. 'हारिल की लकरी' कौन है?
(क) उद्धव (ख) गोपियाँ (ग) कृष्ण (घ) योग
 3. 'भूखे ने चनक चारि' में चनक का अर्थ क्या है?
(क) चिनगारी (ख) चाणक्य (ग) चना (घ) चावल
 4. 'सुजान' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में नहीं किया गया है?
(क) सब कुछ जानने वाला (ख) प्रिय (ग) कृष्ण (घ) बेजान
 5. घनानंद किस धारा के कवि थे ?
(क) रीतिमुक्त (ख) रीतिबद्ध (ग) रीतिसिद्ध (घ) आचार्य